This question paper contains 2 printed pages.

May-June, 2024

Roll No.

Unique Paper Code : 121303403

Title of the Paper : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण

Survey of Indian Philosophy

Name of the Course : M.A., Sanskrit, LOCF

Type : OEC

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 70

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper (इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. चार्वाक दर्शन की तत्त्वमीमांसा तथा मोक्षमीमांसा का प्रतिपादन कीजिए ।

12

Discuss the ontology and concept of liberation of Cārvāka philosophy.

अथवा/ OR

जैन दर्शन के सप्त पदार्थों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Discuss the nature of seven substances of Jaina philosophy in detail.

2. बौद्धदर्शन के अनुसार क्षणिकवाद का विवेचन कीजिए।

12

Discuss the theory of momentariness according to Bauddha philosophy.

अथवा/ OR

शैवदर्शन के अनुसार 'पति' पदार्थ का निरूपण कीजिए ।

Elucidate the concept of 'Pati' in accordance to Śaiva philosophy.

3. भारतीय दर्शन में प्रतिपादित ईश्वर सम्बन्धी विचारों का विवेचन कीजिए।

12

Discuss the concept of Ishvara as propounded in Indian philosophy.

अथवा/ OR

आस्तिक दर्शनों में प्रतिपादित कार्यकारण-सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

Discuss the concept of cause and effect as propounded in theist philosophies.

4. न्यायदर्शन का ऐतिहासिक सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए।

12

Present a historical survey of Nyāya philosophy.

अथवा/ OR

योगदर्शन के आधारभूत सिद्धान्तों एवं उसके ऐतिहासिक विकास को प्रस्तुत कीजिए।

Elaborate the fundamental principles and historical development of Yoga philosophy.

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो:

5+5+5+7=22

Write notes on the following in which **one** should be in **Sanskrit**:

(क)	व्याप्तिखण्डन	अथवा/ OR	सप्तभगीनय
(ख)	विज्ञानवाद	अथवा/ OR	पाश
(ग)	न्यायदर्शन में आत्मा	अथवा/ OR	सांख्यदर्शन में प्रमाण
(ঘ)	जैमिनि	अथवा/ OR	शंकराचार्य